

1000

53647

1132/1946

21/2/1946

Acc. No. 5115 HM

संभक्तभक्तभक्तिरिति संभक्तभक्तभक्तिरिति

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

मेठिउआ गडमुपडे भगउं भदेहलं वुम
 सुंगीपलभाप्रीठलभिरुभा ~ भउविउय
 उयउवरममेचीउउउउउउमिनी गायरी
 सुउभाभाउउउयेतिउमेउउ ~ ठिउलभीठि
 गायरीभावाहमेवाउभाउभा ठिउलेमि
 भदेमिचनभमिह ~ मिमेवाउउभाभउभ
 मिउिउभमि विउायु भवभमिभवायुगठि
 उः॥ ठिकुः ~ ठिउउउयये डउभयेप
 ठिउ मउमेगयेउ भउठिउठिउठिउठिउठिउ
 ठेवउडीम ~ ठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउ
 भउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउ
 मणउउभउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउ
 वयभभउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउ
 कउभउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउ
 विउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउ
 ये मेवाउउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउठिउ

五

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



५३३०

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

४३१

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

भाउये ठहाठ भयपित्तो गठभयः ठहाठ गच्छेदि
गभभुमं पुवठहा गव्व च भुभभुमं भभुः ठहा
पुपः सुमये निमिद्ध उभा ठहा सिव यक्कु उमेव
पिषणीः ठहा गाव भुभभये वयेव ठहा येव
धतीरेव पड्डयः ठहा लिभाभा निभम पुवउवेठ
हा ववचाले ठमेयः धितः ठहा उक्काइ लि
मिव निमिद्ध ठहा पुसा चहा भुउवेठ मि
भं वड्डगा वउवेठ ये के येव पुयव पुभगा धु
उकापः भउउ के धु धु मिमेमि मवे भम ठहा
भउदिपमे मउधुमे ठहा भवे भभमभ ठहा
ठहा भमे भम भ यव ठहा भ जेभिउवेठ भभ
दउ भमिउि भिउरु धु धिरी उउउ ॥ ५ ॥ ६ टगी
उठहा ॥ जि पुये ये के मवीर भवे चुर पी व
ठहा पुयायी ठहा वप धिउे पाजिरी कि ध
ठहा पुये उमेव मवीव ॥ ५ ॥ जि पुकिने मवी म
भभभुमं पुवठहा गव्व च भुभभुमं भभुः ठहा

कुल
सु.

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

का. म. ५

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

कल

गतिः प्रयुभगकुपुष ॥ बुद्धिगुह्यमत्रैव दंडा ॥
 ययविष्णुः ॥ ज्वलतिगुह्यदीदिप्रभिमि प्रवृष्ट
 चतुंयेभ्युत्रवृतिउत्रवय वयत्रवभभुमप्र
 ज मेव नभभिवद्विउमं भभित्तमं पधित्तमं
 ५ पुमं नैव उउमं विष्णुमेष्टाकूतभभिमि
 द्रविचरं मं दभभाकू मिउम द मकूपपे
 म/प्रद्वराउय वभद्वराप्रपवत्रुगाय ३ ॥
 कूतभभिमिगुह्यम नूद्वराप्रपयउरै धूतैरकू
 तभभिमिगुह्यम नूद्वराप्रपयउरै एगउरै कूतभ
 भिमिगुह्यम नूद्वराप्रपयउरै धूतैरकूतभ
 भिमिगुह्यम नूद्वराप्रपयउरै धूतैरकूतभ
 धूतैरकूतभभिमिगुह्यम मिद्वराप्रपयउरै वृ
 धूतैरकूतभभिमिगुह्यम मिद्वराप्रपयउरै ॥
 भभिमिगुह्यम नूद्वराप्रपयउरै धूतैरकूतभ
 दभभिमिगुह्यम नूद्वराप्रपयउरै धूतैरकूतभ
 मिद्वराप्रपयउरै धूतैरकूतभभिमिगुह्यम

००
 ००

धुनेचय ९ नं मेविहृयुयल्लिहेगल्लुमि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुसुमेव लघुणीह भैसहे भुप नय विम

ਸੁਤਾਯਸ੍ਵੇ ਵਸੁਮੇਵਾ ਮਿਮਿਤਸੁ ਪਤ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ब्रह्मयज्ञः प्रथमः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वडभा विद्वन्महिः २ एवमेव

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ विष्णो मन्त्रं भूयः शुद्धिं भुक्ता भू

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्णुविठ्ठलपुष्पिणी प्रयत्नमिभूत

इति मद्रासि त्रैविमदिति ~ विविध

भूमिपुत्रः पूतगन्धर्वः चक्राभ्यां विभूतभक्तः

वसुदेवः ॥ चण्डीभीकं पुगेतिउं यल्लुमुदेवभदि
 ॥ भाद्रपदं गङ्गा उभय ॥ ७ म्भदे लैदा वा यद
 भुपायवभु मेवेवभविता भाद्रपदसे सुतभाय
 कमुले ॥ चण्डीपुयादिवेउं ॥ वेदमुमाउये
 त्रिदेताभद्विरदिधि ॥ सवेमेवीरतिष्ठये उ
 ठवतभीउये संयेगतिभुवतुतः ॥ चण्डीभुद
 कुविमरु चविदिनभाउदु विरुभा सुविपुः
 रदिधमेवे चण्डी भुदुठ ॥ तपिपुभु ॥
 गभिषु ॥ वषटुविपु चण्डी भुदुठ ॥ मिउं
 ५ भुचमिभिपु भुदुठ ॥ वरतुदु भुदुठयेगि
 वेभेयुयभुउभुतिभुमातुः ॥ ॥ विउं
 भुवताचण्डी गवेतुवाभीगिध भुवतुतं भुवीग
 वीतं रदुतुपुगेभुमेव वचीषु हीतिगिगुय
 भुमता ॥ चण्डीभुपुंका ॥ भुवतुतु विव
 गंभुदु ६ भुविपुभु ॥ चण्डीभुभी विमरुं भु
 चण्डीगीगीरजुविभुगतिभु ॥ यभेभुग
 भुसिचिरीय ॥ भुउभुदु ॥ यभुयभुचभि
 उभेभु ॥ भुयुगतिभु ॥ यज्जीमेवीतिच

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

১০০

गीमपुनोयमत्रिभरसुंतीसुतेपुदुयतेभरु
 गीमसुभेवदकामा ॥ न चवाइतिभुतेभंरु
 ॥ तुभिरुतेभु ॥ एतेभरुभिरुयंविपात्रं
 रमरुभ ॥ सुभिरुयभिरुभुतेभु ॥
 भएपतेरुदिरुमहाएविषाएताविभरुता
 ररुययभुभु ॥ रुभुतेरुभुययंभुभु
 रीयगयी ॥ ॥ ॥ न सवेमेरीगिभुतेभु
 वतुभीतेयंसेयेगिभुतेभु ॥ न ग ॥ ररु
 ग ॥ पतिंरुभुभुतेरुभुवीरुभुभुभु
 भुभुभु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नःसुभु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 सिइउउउउगीभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु
 यरुता ॥ न चवेरुएरुभुभुभुभुभुभुभुभु
 इय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 र ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 र ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 र ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 र ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

८५

Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org

८५०

ॐ

८५०

ਦਿਸਤਰਗਤੁ: ੴ ਸਤਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਮਹਿਮਾ ਪੁਰਖੁ
ਨਿਰਭਉ ਨਿਰਵੈਰੁ ਅਕਾਲ ਮੂਰਤਿ ਅਜੂਨੀ ਸੈਭਨੁ
ਅਮਰਾਤਿ ਜਗਤਿ ਆਸਿ ਪਾਸਿ ॥ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥

